This question paper contains **3** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **7389**

Unique Paper Code : **2051504** **F-7**

Name of the Paper : Lok Sahitya **(लोक साहित्य)**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

Semester : **V**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 14+14+14

   (*i*) लोक साहित्य को स्पष्ट करते हुए, लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य के आपसी संबधों पर प्रकाश डालिए।

   (*ii*) 'लोक साहित्य ग्रामीण भारत की सटीक और जीवंत अभिव्यक्ति है' इस कथन पर विचार कीजिए।

   (*iii*) लोक साहित्य के विविध रूपों का सोदाहरण परिचय दीजिए।

   (*iv*) लोक कथा और लोकगाथा की विशेषताएँ देते हुए दोनों में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

   (*v*) हिन्दी प्रदेश की प्रमुख लोक नाट्य शैलियों का परिचय दीजिए।

P.T.O.

2. (क) संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 9

चढ़ल जवानी जोर पियऊ हो गइलन कठोर,

हमें छोड़ के लोभइलन परदेस!

छोड़ के लोभइलन परदेस बटोही भाई,

गवना कराके दिहलन घरवा में बइठाई।

का कइलीं कसूर जे परदेस गइलन पराई,

एकर कुछुओ हालत बालम ना देहलन सुनाई।

अथवा

तीन रोज हो लिए तड़फती नै कुछ ना खाई खेली।

भाईयां की सूं जीज्यागी दियो दर्शन करा सहेली॥ टेक॥

ईशक का नाग लड्या मेरे तन मैं जाणै कित ल्हुकग्या डसकै।

मैं परसूं की बेहोश पड़ी मेरी सारी काया चसकै।

जवानी का रंग कुछ ना देख्या मनै पीहर के मां बसकै।

इसे मर्ज का वैद्य मिलै तै मैं हाथ पकड़ ल्यूं कसकै।

(ख) निम्नलिखित पंक्तियों में निहित रचना-कौशल को स्पष्ट कीजिए : 9

जगह चखूंटी नीम चोए मैं ऊँची छांत दिबाई।

तरह तरह के कूट मशाले चंगी करी लिपाई।

लाल और पीले हरे गुलाबी रंग दे रे थे रुसनाई।

देश देश की माया लूट कै इस कमरे कै लाई।

अथवा

दया तनिक उनुका नहिं लागल, भगलन बंहिया झकझोर।

संइयाँ के सुख हम कुछुओ ना जनली, देखलीं ना काला चाहे गोर।

चहुँ दिसि चितवत बीतत रात-दिन, कतहूँ ना लउके अँजोर।

कहत 'भिखारी' अब जिअल कठिन बा नयना से ढरकत बा लोर।

3. टिप्पणी लिखिए : 8+7

(क) सोहर **अथवा** जंतसारी

(ख) आल्हा **अथवा** बरखा, पाप अउर पुन्य।